शक्र तारे के समान

Question 1.
आँखों में तेल डालने का आशय है?
(a) आँखें साफ करना
(b) नेत्रों की ज्योति बढ़ाना
(c) नियमपूर्वक रहना
(d) प्रत्येक चीज को बहुत गौर से देखना।

▼ Answer

Answer: (d) प्रत्येक चीज को बहुत गौर से देखना।

Question 2.
गाँधी जी के पास आने से पहले महादेव जी क्या करते थे?
(a) वे सेना में थे
(b) वे सरकार के अनुवाद-विभाग में नौकरी करते थे
(c) वे व्यापार करते थे
(d) वे खेती करते थे।

▼ Answer

Answer: (b) वे सरकार के अनुवाद-विभाग में नौकरी करते थे

Question 3.
लेखक ने 'छोटा बादशाह' किसे कहा है?
(a) वायसराय को
(b) गवर्नर को
(c) लार्ड कर्जन को
(d) लार्ड माउंटबैटन को।

▼ Answer

Answer: (a) वायसराय को

Question 4.
लेखक ने बिहार और उत्तर प्रदेश में बहने वाली नदियों की क्या विशेषता बताई है?
(a) ये अपने साथ पत्थर बहाकर लाती हैं
(b) इनका पानी बहत स्वादिष्ट होता है
(c) नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी मुलायम व उपजाऊ होती है
(d) नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी में कंकड़. पत्थर होते हैं।

▼ Answer

Answer: (c) नदियों द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी मुलायम व उपजाऊ होती है

Question 5.
लेखक ने महादेव भाई की प्रतिभा को किस जैसा बताया है?

(a) उच्च कोटि का
(b) सूर्य के समान
(c) चंद्र शुक्र के समान
(d) बृहस्पति के समान।

▼ Answer

Answer: (c) चंद्र शुक्र के समान

Question 6.
महादेव भाई हँसी मजाक में अपने को क्या कहते थे?
(a) गाँधी जी का हम्माल
(b) गाँधी जी का घोड़ा
(c) गाँधी जी का गधा
(d) इनमें से कोई नहीं।

▼ Answer

Answer: (a) गाँधी जी का हम्माल

Question 7.
गाँधी जी ने किस अखबार को हफ्ते में दो बार निकालने का निश्चय किया?
(a) बांबे क्रानिकल.
(b) नवजीवन
(c) यंग इंडिया
(d) युग-चेतना।

▼ Answer

Answer: (c) यंग इंडिया

Question 8.
महादेव भाई देसाई कौन थे?
(a) गाँधी जी के सहपाठी
(b) गाँधी जी के निजी सचिव
(c) एक समाज सुधारक
(d) एक राजनेता।

▼ Answer

Answer: (b) गाँधी जी के निजी सचिव

Question 9.
'शुक्रतारे के समान' पाठ में लेखक ने किसके बारे में लिखा है?
(a) मुरारजी भाई देसाई के
(b) वल्लभ भाई के
(c) विट्ठल भाई के
(d) महादेव भाई देसाई के।

▼ Answer

Answer: (d) महादेव भाई देसाई के।

Question 10.
'शुक्रतारे के समान' पाठ के लेखक कौन हैं?
(a) स्वामी आनंद
(b) रामविलास शर्मा
(c) काका कालेलकर
(d) गणेश शंकर विद्यार्थी।

▼ Answer

Answer: (a) स्वामी आनंद

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

आकाश के तारों में शुक्र का कोई जोड़ नहीं। शुक्र चन्द्र का साथी माना गया है। उसकी आभा-प्रभा का वर्णन करने में संसार के कवि थके नहीं। फिर भी नक्षत्र मण्डल में कलगी रूप इस तेजस्वी तारे को दुनिया या तो ऐन शाम के समय, बड़े सवेरे घण्टे दो घण्टे से अधिक देख नहीं पाती। इसी तरह भाई महादेव जी आधुनिक भारत की स्वतन्त्रता के उषाकाल में अपनी वैसी ही आभा से हमारे आकाश को जगमगाकर, देश और दुनिया को मुग्ध करके, शुक्रतारे की तरह ही अचानक अस्त हो गए। सेवाधर्म का पालन करने के लिए इस धरती पर जन्मे स्वर्गीय महादेव देसाई गाँधी जी के मन्त्री थे। मित्रों के बीच विनोद में अपने को गाँधी जी का 'हम्माल' कहने में और कभी-कभी अपना परिचय उनके 'पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर' के रूप में देने में वे गौरव का अनुभव किया करते थे।

Question 1.
लेखक ने शुक्र तारे के बारे में क्या कहा है?

▼ Answer

Answer: आकाश में कोई भी तारा शुक्र तारे के समान नहीं है। शुक्र तारा चन्द्रमा का साथी होता है। कवियों ने संसार में उसकी चमक-दमक का खूब वर्णन किया है। शुक्र तारा ऐन शाम के समय और बड़े सवेरे ही दिखाई देता है।

Question 2.
महादेव देसाई कौन थे?

▼ Answer

Answer: महादेव देसाई गाँधी जी के सचिव थे। वे बहुत गुणवान व्यक्ति थे।

Question 3.
महादेव जी हँसी मज़ाक में अपने को क्या कहते थे?

▼ Answer

Answer: महादेव जी हँसी मज़ाक में अपने को गाँधी जी का 'हम्माल' अर्थात् बोझ उठाने वाला और कभी-कभी तो वे अपने को उनका 'पीर, बावर्ची, भिश्ती अथवा खर' कहा करते थे। वे इसमें भी अपना गौरव समझते थे।

Question 4.
लेखक ने महादेव भाई की तुलना शक्र तारे से क्यों की है?

▼ Answer

Answer: जिस प्रकार शुक्र तारा थोड़ी देर के लिए दिखाई देता है परन्तु वह अपनी आभा के कारण अलग ही दिखाई देता है। इसी प्रकार महादेव भाई देसाई भी थोड़े समय के लिए ही अपनी चमक बिखेर कर अस्त हो गए अर्थात् परलोकवासी हो गये। उनकी अद्वितीय प्रतिभा के कारण ही लेखक ने उनको शुक्र तारे के समान बताया है।

सही कथन के सामने (✓) गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) महादेव भाई गाँधी जी के लिए पुत्र से भी अधिक थे

▼ Answer

Answer: (✓)

(ख) महादेव भाई का लेख सुंदर नहीं था।

▼ Answer

Answer: (✗)
उनका लेख बहुत सुंदर था।

(ग) ब्रिटिश द्वारा हार्निमन को देश निकाला दिए जाने के कारण 'यंग-इंडिया' में लेखों की कमी पडने लगी।

▼ Answer

Answer: (✓)

(घ) गाँधी जी ने 'यंग इंडिया' का संपादक बनकर उसे अहमदाबाद से निकालना शुरू कर दिया

▼ Answer

Answer: (✓)

(ङ) 'यंग इंडिया' और 'नवजीवन' सूरत से निकलते थे

▼ Answer

Answer: (✗)
सूरत से नहीं अहमदाबाद से होता था।

(च) महादेव भाई दिन में 16-16 घंटे काम करते थे

▼ Answer

Answer: (✓)

(छ) 1919 में पलवल स्टेशन पर गिरफ्तारी के समय गाँधी जी ने महादेव भाई को अपना वारिस कहा

▼ Answer

Answer: (✓)

(ज) महादेव भाई ने टैगोर द्वारा रचित 'विदाई का अभिशाप' एवं शरत चंद्र की कहानियों का अनुवाद किया।

▼ Answer

Answer: (✓)

वाक्य का सही वाक्यांशों के साथ मिलान कीजिए

(क) आकाश में शुक्र तारे का कोई जोड़ नहीं	साप्ताहिक पत्र भी कम पड़ने लगा।
(ख) गाँधी जी का काम इतना बढ़ा कि	कातना कभी चूकते नहीं थे।
(ग) गाँधी जी और महादेव का सारा समय	रास्ते में सुपारी फोड़ने लायक पत्थर भी कहीं मिलेगा नहीं।
(घ) गाँधी जी के पास आने के पहले अपनी विद्यार्थी अवस्था में	महादेव ने सरकार के अनुवाद-विभाग में नौकरी की थी।
(ङ) अपनी इतनी सारी व्यस्तताओं के बीच भी वे	शुक्र चंद्र का साथी माना जाता है।
(च) आप सौ कोस चल लीजिए।	देश भ्रमण में बीतने लगा।

▼ Answer

Answer:
(क) शुक्र चंद्र का साथी माना जाता है।
(ख) साप्ताहिक पत्र भी कम पड़ने लगा।
(ग) देश भ्रमण में बीतने लगा।
(घ) महादेव ने सरकार के अनुवाद-विभाग में नौकरी की थी।
(ङ) कातना कभी चूकते नहीं थे।
(च) रास्ते में सुपारी फोड़ने लायक पत्थर भी कहीं मिलेगा नहीं।